**BGGCT-133**

# सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.सी.)

में

मूल (कोर) पाठ्यक्रम

सामान्य मानचित्रकला

1 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2024)

प्रिय विद्यार्थी,

सत्रीय कार्य को हल करने की शुरुआत करने से पहले, आपको वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य अनुभाग को पढ़ना होगा, जो हमने आपके नामांकन के बाद आपको भेजे हैं। सत्रीय कार्य घटक के लिए, निरंतर मूल्यांकन के एक भाग के रूप में 30 प्रतिशत का भार निर्धारित किया गया है। इसमें इस पाठ्यक्रम के लिए एक अनुशिक्षक–चिह्नित कार्य शामिल है। हम इस पुस्तिका में तीन भागों–भाग ए, भाग बी और भाग सी को मिलाकर कार्य प्रदान कर रहे हैं। तीनों भागों के लिए कुल अंक 100 हैं। 100 अंकों में से, आपको सत्रीय कार्य घटक को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कम से कम 35 % अंकों या 35 अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

## सत्रीय कार्य के संरूपण से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य को हल करने से पहले, कृपया नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका में पहले पृष्ठ के शीर्ष भाग पर, नीचे दिए गए प्रारूप में अपना विवरण ठीक से लिखें।

नामांकन संख्या : .....
नाम : .....
पता : .....
.....

पाठ्यक्रम कोड : .....
पाठ्यक्रम शीर्षक : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

**(नोटः देरी से बचने के लिए समय पर मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतू इस निर्दिष्ट प्रारूप का पालन करना अनिवार्य है)।**

2) अपने उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप आकार के लेखन कागज का उपयोग करें (यह बहुत पतली किस्म और खराब गुणवत्ता का नहीं होना चाहिए)।
3) अपनी उत्तर पुस्तिका के बाएं, ऊपर और नीचे 4 सेंटीमीटर का अंतर छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक होना चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग ए, भाग बी और भाग सी में दिए गए प्रत्येक प्रश्न को अलग–अलग पूरा करें और इन सभी को एक साथ जमा करें।
6) निर्धारित उत्तर तिथि के भीतर सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाएं आपको अध्ययन केंद्र में जमा करवानी हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह सुझाव दिया जाता है कि आपको सभी जमा किए गए सत्रीय कार्य की अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की एक प्रतिकृति कॉपी रखनी चाहिए।
7) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक मान्य है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में असफल रहते हैं या इसे 31 दिसंबर, 2024 तक जमा करने में असफल रहते हैं, तो आपको अगले साल 2025 के लिए नया सत्रीय कार्य अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा, और इसे कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार जमा करना होगा।
8) आप सत्रीय कार्य को जमा किए बिना इस पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत / अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने के लिए परीक्षा फॉर्म नहीं भर सकते। किसी भी अन्य प्रश्नों के लिए, कृपया पाठ्यक्रम समन्वयक से दिए गए ईमेल पर संपर्क करें: vishalwarpa@ignou.ac.in / knrao@ignou.ac.in।

हम आपको आपके स्नातक कार्यक्रम के इस भाग के सफल समापन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

# सत्रीय कार्य
# (अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
# सामान्य मानचित्रकला

**पाठ्यक्रम कोडः BGCCT-133**
**सत्रीय कार्य कोडः BGCCT -133/TMA/2024**
**अधिकतम अंकः 100**

---

## भाग–क

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।**

1. मानचित्रों के महत्व एवं उपयोग का वर्णन कीजिए तथा मानचित्रकला में मानचित्र बनाने के उपकरणों पर भी प्रकाश डालिए।

2. उपयुक्त उदाहरणों के साथ आँकड़ों के प्राथमिक स्रोतों पर एक विस्तृत विवरण कीजिए।

3. स्थलाकृतिक मानचित्र क्या है? भारत में स्थलाकृतिक मानचित्रों के विकास का वर्णन कीजिए।

4. उपयुक्त उदाहरणों के साथ विषयगत मानचित्रों पर एक विस्तृत विवरण कीजिए।

## भाग–ख

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।**

5. पृथ्वी को एक मानचित्रण की समस्या के रूप में और इससे जुड़ी तीन शब्दावली का उदाहरण सहित विस्तृत विवरण लिखिए।

6. मानचित्र प्रक्षेपण क्या है? मानचित्र प्रक्षेपणों के वर्गीकरण एवं इसकी चार बुनियादी श्रेणियों का वर्णन कीजिए।

7. भारत की जनगणना द्वारा प्रदान की गई आँकड़ा तालिकाओं की कुल आठ श्रृंखलाओं में से किन्हीं चार श्रृंखलाओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

## भाग–ग

**8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं।**

a) निरूपक भिन्न (आर. एफ.)
b) सरल बेलनी/बेलनाकार प्रक्षेपण के गुण
c) नमूना पंजीकरण प्रणाली (एस. आर. एस.)
d) सुदूर संवेदन आँकड़ों का विभेदन
e) अपवाह तंत्र और इसके पांच प्रतिरूप
f) उपयुक्त रचना या डिज़ाइन और आँकड़ा निरूपण या प्रतिनिधित्व से संबंधित इसकी तीन विशेषताएँ